कौशल-विकास-कार्यक्रम
(व्यावसायिक हिन्दी में एक वर्षीय डिप्लोमा)
क्रेडिट 3

कार्यक्रम वोकेशनल / कौशल विकास संवर्धन कार्यक्रम

अधिकतम अंक 100

न्यूनतम उत्तीर्णांक : 35

विभाग का नाम: Centre of Excellence for Multilingual Studies

कोर्स की अवधि 2 सेमेस्टर

व्याख्यान-ट्यूटोरियल (प्रति सप्ताह घंटे अनुसार) : तीन घंटे प्रति सप्ताह प्रति सेमेस्टर

कुल व्याखान (प्रति सेमेस्टर): 45

■ प्रथम सेमेस्टर (100 अंक)

● रचनात्मक हिन्दी
सैद्धांतिक

रचनात्मक लेखन के सामान्य सिद्धान्त और अनुप्रयोग, सम्पादकीय या अग्रलेख, आलेख, शीर्षक, पटकथा, संवाद, गीत लिरिक्स, फ़िक्शन, सीरियल और स्टोरी, पुस्तक समीक्षा, भाषण, जिंगल, विज्ञापन, रिपोर्ताज़, उद्घोषणा, समाचार, साक्षात्कार, फ़ीचर, वृत्त डॉक्यूमेण्ट्री, ब्लॉग, ट्वीट, थम्बनेल, पोस्टर, वॉलपेपर, पॉलिटून, इनसाइट, मोजो, प्रोमो, वनलाइनर, ध्वन्यङ्कन और स्वर सौष्ठव, दृश्य और श्रव्य पुस्तकालय, अन्य बिन्दु.

परियोजना कार्य
निम्न का अभ्यास:

1. पुस्तक समीक्षा
2. भाषण

3. जिंगल
4. विज्ञापन
5. रिपोर्ताज़

द्वितीय सेमेस्टर (100 अंक)

● प्रयोजनमूलक हिन्दी
सैद्धांतिक

तात्पर्य, विशेषताएँ, आवश्यकता, उपयोगिता, साहित्यिक और प्रयोजनमूलक हिन्दी में अन्तर, राजभाषा की संकल्पना और व्यवहार, राजभाषा अधिकारी और अनुवादक के कर्तव्य, प्रयोजनमूलक हिन्दी हेतु मानक वर्तनी और निर्धारित नियम, पत्र, प्रारूपण, टिप्पण, पल्लवन, संक्षेपण, कार्यालयी विज्ञापन, पारिभाषिक शब्दावली, कृषि, शिक्षा, रक्षा, चिकित्सा, जनसंचार, विज्ञान, विधि, वाणिज्य, व्यापार, बैंकिग, सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रशासनिक शब्द, शब्दकोश, समानान्तर कोश, विश्वज्ञानकोश, अशुद्धिशोधन, अनुवाद, अपठित.

परियोजना कार्य
निम्न का अभ्यास:

1. पत्र
2. प्रारूपण
3. टिप्पण
4. पल्लवन
5. संक्षेपण
6. कार्यालयी विज्ञापन
7. अशुद्धिशोधन

सन्दर्भ- निम्नलिखित साधनों द्वारा छात्रों की वैचारिकता एवं रचनात्मकता को व्यापकता प्राप्त हो सकती है:

• हिंदी में विविध माध्यमों में रचनात्मक साहित्य का अध्ययन (कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक आदि)

● ई-पत्रिकाएँ

● ब्लॉग

● फेसबुक पेज

Developed by Dr. Nirupam Sharma, Bareilly College.